भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 717

दिनांक 07 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

अस्पतालों के बीच वीडियो कंसल्टेशन के लिए पहल

717. **श्री बृजमोहन अग्रवाल:**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि देश भर के कई मामलों को एम्स, दिल्ली को रेफर किया जा रहा है, जिससे रोगियों को लाने-ले जाने में और रखने में बाधा उत्पन्न होती है और जिससे महत्वपूर्ण वित्तीय बोझ भी होता है, यदि हां तो तत्संबंधी राज्यवार/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार इस बात से भी अवगत है कि नई दिल्ली पहुंचने पर आईपीडी और ओपीडी में रोगियों की अत्यधिक भीड़ हो जाती है क्योंकि इनकी दैनिक रोगी भार को हैंडल करने की क्षमता पहले ही अपनी सीमा को पार कर चुकी है; यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार बेहतर समन्वय की सुविधा प्रदान करने और एम्स दिल्ली पर बोझ को कम करने के लिए रोगियों की मौजूदगी में अस्पतालों के बीच वीडियो कंसल्टेशन प्रारंभ करने का विचार कर रही है, यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इस प्रकार की पहल को कार्यान्वित करने के लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): देश भर के विभिन्न अस्पतालों/स्वास्थ्य परिचर्या संस्थानों से मरीजों को एम्स, नई दिल्ली में रेफर किया जाता है। रोगियों के बोझ से प्रभावी ढंग से निपटने और ओपीडी और आईपीडी क्षमता बढ़ाने के लिए, एम्स नई दिल्ली ने बर्न्स एंड प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक, न्यू आरएके ओपीडी ब्लॉक, मदर एंड चाइल्ड ब्लॉक, नेशनल सेंटर फॉर एजिंग, सर्जिकल ब्लॉक, झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में सर्विस ब्लॉक का विस्तार आदि सहित नए स्पेशलिटी ब्लॉक शुरू किए हैं। इसके अलावा, मस्जिद मोठ परिसर में नए ओपीडी ब्लॉक और एम्स में 150 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक के निर्माण को मंजूरी दी गई है।

रोगियों और उनके परिचारकों की सहायता के लिए, एम्स के परिसर में पांच स्थानों पर विश्राम सदन हैं, जिनमें 1500 से अधिक बिस्तरों और स्वच्छ पेयजल, मोबाइल चार्जिंग स्टेशन, कैफेटेरिया और टॉयलेट आदि की सुविधा है। रोगियों की सुविधा के लिए, एम्स ने ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली (ओआरएस), स्मार्ट लैब सुविधा, जन औषधि केंद्र, ई-शटल सेवा, बहुभाषी साइनेज, रैंप और व्हील चेयर सुविधा, अस्पताल सुविधाओं तक पहुंचने में रोगियों की सहायता के लिए रोगी परिचर्या समन्वयकों की तैनाती आदि सहित विभिन्न पहलें की हैं।

(ग) और (घ): एम्स, नई दिल्ली में टेलीमेडिसिन सुविधा के माध्यम से डॉक्टर से डॉक्टर परामर्श की व्यवस्था है। जिला अस्पतालों और अन्य मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टर गंभीर चिकित्सा मामलों में परामर्श के लिए एम्स के विशेषज्ञों से संपर्क करते हैं।

*****